स्नातक (बी०ए०)
हिन्दी

प्रथम सेमेस्टर

पाठ्य पुस्तक: प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य।

पाठ्यक्रम प्रतिफल

1. शिक्षार्थी हिंदी साहित्य के आरंभिक काल की कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी आदिकालीन वीर काव्य का सैद्धांतिक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है। 3.शिक्षार्थी निर्गुण धारा एवं संत साहित्य का सैद्धांतिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है ।
4.शिक्षार्थी कवियों की विचार दृष्टि से वैचारिक ज्ञान को प्राप्त करता है तथा विद्यार्थियों के संप्रेषण से सम्बद्ध संवाद के विविध पक्षों को समझने और भाषा संप्रेषण के विविध आयामों को हृदयंगम करने के कौशल का विकास होता है ।

Suggested Reading:

1.प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य, संपादक :डॉ मानवेंद्र पाठक ,अंकित प्रकाशन हल्द्वानी
2.कबीर एक नई-दृष्टि, डा0 रघुवंश ,लोकभारती 15, महात्मा गांधी मार्ग इलाहाबाद
3.जायसी एक नई -दृष्टि, डा0 रघुवंश ,लोकभारती इलाहाबाद
4. जायसी ,विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी अकादमी,इलाहाबाद

द्वितीय सेमेस्टर
हिन्दी कथा -साहित्य

पाठ्य पुस्तक: कहानी सप्तक।

पाठ्यक्रम प्रतिफल

1. शिक्षार्थी हिंदी कथा परंपरा का परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।
2. विद्यार्थी को अपनी विचारधारा को परिपक्व करने का अवसर मिलता है एवं एकाग्रता में अभिवृद्धि होती है।
3.हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास का परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।
4.लेखन एवं अध्ययन के प्रति छात्रों की सृजनात्मक प्रवृत्ति विकसित होती है।
5.छात्रों के शब्द भंडार में वृद्धि होती होगी। 6.लोकतांत्रिक मूल्यों समाजवादी विचारधारा मानवतावादी विचारधारा को छात्र धारण करेंगे। तथा देश के निर्माण में महती भूमिका प्रदान करेंगें।

Suggested Reading:

1. कहानी:नई कहानी, डॉ नामवर सिंह लोकभारती,इलाहाबाद।
2.हिंदी कहानी: पहचान और परख ,इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली। 3.आधुनिकता और हिंदी उपन्यास, इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली।
4.कहानी : संवाद का तीसरा आयाम, बटरोही, नेशनल पब्लिशिंग हाउस ,नई दिल्ली।
5. समकालीन हिंदी कहानी, गंगा प्रसाद विमल, मैकमिलन, दिल्ली।

तृतीय सेमेस्टर

रीतिकालीन काव्य एवं काव्यांग विवेचन

पाठ्य -पुस्तक:
1. रीतिकालीन काव्य, संपादक: प्रो० मानवेंद्र पाठक
2.रस छंद अलंकार ,डॉ केशवदत्त रुवाली

पाठ्यक्रम प्रतिफल:
1.शिक्षार्थी हिंदी की रीतिकालीन कविता का ऐतिहासिक ,सैद्धांतिक तथा काव्य प्रवृत्तियों का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
2.हिंदी साहित्य के विविध पक्षों तथा उनके आधारभूत स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करेगा और उसे कला और शिल्प का कौशल ज्ञान प्राप्त होगा।
3.शिक्षार्थी का काव्यांग परिचय एवं प्रकारों का आधारभूत ज्ञान कौशल प्राप्त करेगा।
4.शब्द शक्ति के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करेगा एवं रस के स्वरूप एवं प्रकारों का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।

Suggested Reading:
1.रीतिकालीन काव्य,प्रो0 मानवेंद्र पाठक, अंकित प्रकाशन हल्द्वानी ।
2.काव्यप्रदीप, राम बहोरी शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
3. रीति काव्य, नंदकिशोर नवल ,राजकमल प्रकाशन ,नईदिल्ली ।
4.मध्यकालीन काव्य साधना, डॉ वासुदेव सिंह,संजय बुक डिपो, वाराणसी वाराणसी।
5. रस छंद अलंकार , डॉ केशवदत्त रुवाली अल्मोड़ा बुक डिपो,अल्मोड़ा।

चतुर्थ सेमेस्टर

नाटक एवं स्मारक साहित्य

पाठ्यपुस्तक:
1.स्मरण विथिका
2. ध्रुवस्वामिनी

पाठ्यक्रम प्रतिफल:
1. नाटक की भारतीय एवं पाश्चात्य परंपराओं का ज्ञान प्राप्त करता है
2. शिक्षार्थी नाटक के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है
3.शिक्षार्थी नाटक के अध्ययन के आधार पर नाटक समीक्षा का कौशल प्राप्त करता है
4.शिक्षार्थी स्मारक साहित्य लेखन परंपरा का अध्ययन करता है और परंपराओं का ज्ञान प्राप्त करता है
5.शिक्षार्थी को स्मारक साहित्य के स्वरूप वह उनकी विधाओं का ज्ञान प्राप्त होता है
6.विद्यार्थी को महान साहित्यकारों के जीवन से जुड़ी घटनाओं को पढ़ने से उच्च जीवन मूल्यों की शिक्षा व प्रेरणा प्राप्त होती है।
7.शोध सम्बन्धी कौशल का विकास होता है।

Suggested Reading:
1.प्रसाद के नाटक: स्वरूप एवं संरचना, डॉ गोविंद चातक, तक्षशिला प्रकाशन अंसारी रोड दरयागंज दिल्ली।
2.हिंदी स्मारक साहित्य, डॉ केशव दत्त रुवाली एवं डॉ जगतसिंह बिष्ट ,तारामंडल,अलीगढ़। 3.स्मारक साहित्य और उसकी विधाएं, डॉ निर्मला ढैला एवं डॉ रेखा ढैला, ग्रंथालय अलीगढ़।

पंचम सेमेस्टर
द्विवेदी युगीन एवं छायावादी काव्य
(प्रथम प्रश्न -पत्र)

पाठ्य पुस्तक:
द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य, संपादक प्रोफेसर चंद्रकला रावत

पाठ्यक्रम प्रतिफल:
1.शिक्षार्थी हिंदी के द्विवेदी युग व नवजागरण काल के विषय में ऐतिहासिक एवं सैद्धांतिक जानकारी एवं ज्ञान प्राप्त करता है।
2.शिक्षार्थी खड़ी बोली हिंदी के आरंभिक काव्य परंपरा का ज्ञान प्राप्त करता है।
3.शिक्षार्थी हिंदी कविता के छायावाद युग का ऐतिहासिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है। 4.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित द्विवेदीयुगीन कविताओं के अध्ययन से तत्कालीन हिंदी कविता के स्वरूप महत्व तथा शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।
5.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित छायावादी युगीन कविताओं के अध्ययन से तत्कालीन हिंदी कविता के स्वरूप, महत्व और शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।
6.शिक्षार्थी आधुनिक कविता की समीक्षा का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
7.शिक्षार्थी कविता के नवीनतम रूप से परिचित होता है।
8.गांधी विचारधारा राष्ट्रीय आंदोलन एवं भारतीय दर्शन से भी छात्र अवगत होते हैं।

Suggested Reading:
1. द्विवेदी युगीन एवं छायावादी काव्य, संपादक :प्रो०चंद्रकला रावत, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी 2.छायावाद, नामवर सिंह ,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3.छायावाद और रहस्यवाद, गंगा प्रसाद पांडे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4.आधुनिक कवितायात्रा,रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद
5. निराला: मूल्यांकन, इंद्रनाथ मदान, लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद।
6. छायावाद की परिक्रमा, डॉ श्याम किशोर मिश्र ,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

पंचम सेमेस्टर
(द्वितीय प्रश्न-पत्र)
छायावादोत्तर हिंदी कविता

पाठ्यपुस्तक :
छायावादोत्तर हिंदी कविता, संपादक :शिरीष कुमार मौर्य

पाठ्यक्रम प्रतिफल

1.छायावादोत्तर कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है
2.शिक्षार्थी आधुनिक हिंदी कविता में प्रगतिवाद , प्रकृतिवाद ,प्रयोगवाद ,नई कविता का रचनात्मक एवं आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है
3.शिक्षार्थी समकालीन कविता का रचनात्मक एवं आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है
4.कविता के नए नए स्वरूपों के माध्यम से कविता के विविध पक्षों को समझता और ज्ञान प्राप्त करता है।

Suggested Reading:
1.छायावादोत्तर हिंदी कविता, संपादक: प्रो० शिरीष कुमार मौर्य, अंकित प्रकाशन,हल्द्वानी
2.नई कविताएं :एक साक्ष्य, डॉ रामस्वरूप चतुर्वेदी,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. नई कविता के कवि, डॉ विशंभर मानव, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद
4. हिंदी के आधुनिक कवि,डॉ द्वारिका प्रसाद सक्सेना,विनोद पुस्तक मंदिर,आगरा 5.छायावादोत्तर हिंदी कविता के प्रतिमान,प्रो0निर्मला ढेला, आधारशिला प्रकाशन, हल्द्वानी
6. छायावाद की परिक्रमा, डॉ श्याम किशोर मिश्रा, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद

प्रोजेक्ट वर्क
हिंदी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली

1.छात्रों की मानसिकता एवं बौद्धिक शक्ति विकसित होगी तथा राष्ट्र निर्माण में वे महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करेंगे।
2. शिक्षार्थी इस लघु शोधात्मक अध्ययन एवं कार्य के माध्यम से हिंदी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली का ज्ञान प्राप्त करेंगे जो विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में हिंदी के प्रसार के लिए अत्यंत आवश्यक है।
3.शिक्षार्थी के शब्द भंडार में वृद्धि होगी और शोध संबंधी कौशल का भी विकास होगा।

षष्ठम सेमेस्टर

हिंदी निबंध
(प्रथम प्रश्न पत्र)

पाठ्यपुस्तक:
प्रतिनिधि हिंदी निबंध, प्रो0 नीरजा टंडन

पाठ्यक्रम प्रतिफल:
1.शिक्षार्थी हिंदी में निबंध विधा के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी निबंध विधा के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करता है।
3.शिक्षार्थी सामाजिक व साहित्यिक विषयों से निबंध के वैचारिक संबंध तथा अभिव्यक्ति का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी निबंध के प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
4.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंध कारों के अध्ययन से विचार के क्षेत्र में मौलिक अभिव्यक्ति का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Suggested Reading:

1.प्रतिनिधि हिंदी निबंध,संपादक: प्रोफेसर नीरजा टंडन, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
2.हिंदी निबंधकार ,डॉ हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन,अंसारी रोड दरयागंज, दिल्ली।
3.हिंदी साहित्य में निबंध और निबंधकार, डॉ गंगा प्रसाद ,रचना प्रकाशन, इलाहाबाद।
4.हिंदी गद्य विन्यास और विकास ,डॉ रामस्वरूप चतुर्वेदी ,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

षष्ठम सेमेस्टर
लोक साहित्य
(द्वितीय प्रश्न-पत्र)

पाठ्यपुस्तक:
लोक साहित्य ,प्रोफेसर चंद्रकला रावत

पाठ्यक्रम प्रतिफल:
1. विद्यार्थी साहित्य के विविध पक्षों का ऐतिहासिक तथा सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।
2.विद्यार्थी लोक साहित्य के स्वरूप अध्ययन की प्रविधियों,संकलन प्रक्रिया आदि का प्रशिक्षण एवं ज्ञान प्राप्त करता है।
3.लोक संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करता है।
4.लोकगीतों के स्वरूप उनके सामाजिक सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है ।
5.शिक्षार्थी लोक नाटक के स्वरूप उनके सामाजिक सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
6. विद्यार्थी लोककथाओं के स्वरूप उनके सामाजिक सांस्कृतिक स्रोतों तथा विभिन्न रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है ।
7.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित लोक साहित्य के अध्ययन द्वारा लोक का व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Suggested Reading:
1. लोक साहित्य ,संपादक: प्रो० चंद्रकला रावत, देवभूमि प्रकाशन ,हल्द्वानी।
2. लोक साहित्य की भूमिका, कृष्ण देव उपाध्याय,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. भारतीय लोक साहित्य, श्याम परमार, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली।
4. लोक साहित्य का अध्ययन, डॉ त्रिलोचन पांडे।

प्रोजेक्ट वर्क(लघु शोध अध्ययन एवं कार्य)
साहित्यिक विचारधाराओं का अध्ययन: भक्ति आंदोलन, छायावाद ,प्रगतिवाद, राष्ट्रवाद, आधुनिकतावाद और उत्तर आधुनिकता।

पाठ्यक्रम प्रतिफल:
1.शिक्षार्थी इस लघु शोधात्मक अध्ययन एवं कार्य के माध्यम से हिंदी की साहित्यिक विचारधाराओं का व्यापक ज्ञान प्राप्त करेगा।
2.हिंदी साहित्य में उच्च स्तरीय शोध के लिए यह पूर्व अध्ययन अत्यंत आवश्यक है जिससे शिक्षार्थी का मानसिक एवं बौद्धिक विकास हो सके।
3.शिक्षार्थी अपनी मौलिक अभिव्यक्ति कौशल का विकास करेगा और शोध के उच्च लक्ष्य को प्राप्त करेगा।

डा०भावना जोशी
सहायक प्राध्यापक हिन्दी
राजकीय महाविद्यालय कोटाबाग
नैनीताल(उत्तराखंड)